Sl.No. :

नामांक Roll No.

No. of Questions – 15

No. of Printed Pages – 7

SS–01–Hindi (C)

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2016

SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2016

हिन्दी (अनिवार्य)

समय : 3¼ **घण्टे**

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

2) **सभी** प्रश्न करने अनिवार्य हैं ।

3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका में निर्धारित शब्द–सीमा में लिखें ।

4) जिस प्रश्न के **अ, ब, स, द** भाग हैं, उन सभी भागों का हल एक साथ सतत् लिखें ।

यहाँ से काटिए

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें

यहाँ से काटिए

खण्ड – क

1) निम्नांकित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :
(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर सीमा 20 से 40 शब्द है)

विचार लो कि मर्त्य हो मृत्यु से डरो कभी,
मरो परन्तु यों मरो कि याद जो करें सभी ।
हुई न यों सु–मृत्यु तो वृथा मरे, वृथा जिये,
मरा नहीं वही जो जिया न आपके लिए ।
यही पशु–प्रवृत्ति है कि आप आप ही चरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे ।।
उसी उदार की कथा सरस्वती बखानती,
उसी उदार से धरा कृतार्थ भाव मानती ।
उसी उदार की सदा सजीव कीर्ति कूजती,
तथा उसी उदार को समस्त सृष्टी पूजती ।
अखण्ड आत्म भाव जो असीम विश्व में भरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे ।।

अ) ''विचार लो कि मर्त्य हो ।'' इसमें कवि का क्या भाव है ? [2]

ब) पशु प्रवृति क्या बताई गई है ? [2]

स) ''उसी उदार की सदा सजीव कीर्ति कूजती ।'' सृष्टि में किसकी कीर्ति का प्रसार होता है ? [2]

द) ''वही मनुष्य है जो मनुष्य के लिए मरे ।'' इस पंक्ति में कौनसा भाव निहित हैं ? [2]

2) निम्नांकित अपठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :
(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर सीमा 20 से 40 शब्द है)

आज हमारी सबसे बड़ी आवश्यकता राष्ट्रीय चरित्र का पुनर्मूल्यांकन है । भारत नारों और बिल्लों पर नहीं रह सकता, उसे जीने के लिए ठोस आधार चाहिए । यह ठोस आधार युवा पीढ़ी को अनुप्राणित किये बिना, राष्ट्र की आत्मा को जगाये बिना प्राप्त नहीं किया जा सकता । विदेशी–मुद्रा, विदेशी मशीन या विदेशी पूँजी के आयात से त्याग, परिश्रम और अनुशासन के भाव की पूर्ति नहीं की जा सकती, आत्म विश्वास और राष्ट्रीय चरित्र नहीं गढ़ा जा सकता । स्वतन्त्रता के पश्चात हम जिस तेजी से आसानी की ओर भागे उसी कारण आज हमारी कठिनाईयों में वृद्धि हुई है । समस्याओं की चुनौती स्वीकार न करके हम उनका विकल्प खोजने में लगे रहे हैं । आज आवश्यकता एक मनस्वी, राष्ट्र–प्रेमी, स्वावलम्बी और अनुशासित राष्ट्रीय–चरित्र के विकास की है ।

अ) राष्ट्रीय जागरण के लिए क्या आवश्यक है ? [2]

ब) ''स्वतंत्रता के पश्चात हम जिस तेजी से आसानी की ओर भागे उसी कारण आज हमारी कठिनाइयों में वृद्धि हुई है ।'' इस वाक्य को सरल वाक्य में बदलिए । [2]

स) ''स्वावलम्बी'' शब्द के मूल शब्द, उपसर्ग और प्रत्यय बताइए । [2]

द) गद्यांश उपयुक्त शीर्षक लिखिए । [2]

खण्ड – ख

3) निम्न विषयों में से किसी एक पर लगभग 450 शब्दों में सारगर्भित निबन्ध लिखिए : **[7]**

अ) राजस्थान के पर्यटन स्थल ।

ब) कन्या भ्रूण हत्या–मानवता पर एक कलंक ।

स) राजस्थान में शिक्षा की वर्तमान स्थिति ।

द) निरक्षरता एक अभिशाप

य) बढ़ती मंहगाई : घटता जीवन स्तर

4) अपने शहर में ध्वनि विस्तारक यन्त्र के अनुचित प्रयोग ''अथवा'' प्रदेश में आरक्षण आन्दोलन से जनता को जो असुविधाएँ हुई, उसे ध्यान में रखकर समाचार–पत्र हेतु एक प्रतिवेदन (रिपोर्ट) लिखिए । **[4]**
(उत्तर सीमा – 100 शब्द)

5) अपने जिले के जिला कलेक्टर को एक पत्र लिखिए जिसमें अनावृष्टि एवं सूखे के कारण खरीफ की फसल नष्ट होने पर किसानों को राज्य सरकार से मुआवजा दिलवाने की मांग की गई हो । पत्र निर्धारित प्रारूप में लिखिए । **[3]**
(उत्तर सीमा – 100 शब्द)

अथवा

प्रधानाचार्य, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, चौरु की ओर से निदेशक, माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर को एक पत्र लिखें, जिसमें व्याख्याता के रिक्त पदों को भरने की मांग की गई हो जिससे उच्च माध्यमिक स्तर का शिक्षण सुचारु चल सके । कार्यालयी पत्र निर्धारित प्रारुप में लिखिए । **[3]**
(उत्तर सीमा – 100 शब्द)

6) निम्नांकित विषयों में से किसी एक पर आलेख लिखिए : **[4]**
(उत्तर सीमा 80 से 100 शब्द)

अ) नि:शुल्क कन्या शिक्षण ।

ब) किसानों की समस्याएँ ।

स) खाद्य संकट ।

7) निम्नांकित विषयों में से किसी एक विषय पर फीचर लिखिए : **[4]**

अ) शहर में बढ़ता प्रदूषण ।

ब) नयी पीढ़ी के घटते संस्कार ।

स) दूरदर्शन और अपसंस्कृति ।

खण्ड – ग

8) निम्नांकित पठित काव्यांश को ध्यान पूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :
(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर सीमा 20 से 40 शब्द है ।)

सचमुच मुझे दंड दो कि हो जाऊँ
पाताली अँधेरे की गुहाओं में विवरों में
धुएँ के बादलों में
बिलकुल मैं लापता
लापता कि वहाँ भी तो तुम्हारा ही सहारा है ।।
इसलिए कि जो कुछ भी मेरा है
या मेरा जो होता-सा लगता है होता-सा संभव है
सभी वह तुम्हारे ही कारण के कार्यों का घेरा है, कार्यों का वैभव है
अब तक तो जिन्दगी में जो कुछ था, जो कुछ है
सहर्ष स्वीकारा है
इसलिए कि जो कुछ भी मेरा है
वह तुम्हें प्यारा है ।

अ) कवि दण्ड क्यों पाना चाहता है ? [2]
ब) कवि दण्ड रुप में कहाँ रहने को उद्यत होता है ? [2]
स) कवि जीवन की समस्त सुखद-दु:खद स्थितियों को क्यों स्वीकार करता है ? [2]
द) ''वह तुम्हारे ही कारण कार्यों का घेरा है ।'' – इसका आशय बताइए । [2]

अथवा

खेती न किसान को, भिखारी को न भीख, बलि,
बनिक को बनिज, न चाकर को चाकरी ।
जीविका बिहीन लोग सीद्यमान सोच बस,
कहैं एक एकन सों, कहाँ जाई, का करी ?
वेद हूँ पुरान कही, लोकहूँ विलोकिअत,
साँकरे सवैं पै, राम ! रावरें कृपा करी ।
दारिद-दसानन दबाई युनी, दीन बन्धु !
दुरित-दहन देखि तुलसी हहाकरी ।।

अ) विभिन्न वर्गों के लोग किस कारण दु:खी थे ? [2]
ब) जीविका-विहीन लोग अपना दु:ख किस प्रकार व्यक्त करते हैं ? [2]
स) तुलसी ने गरीबी की उपमा किससे और क्यों की थी ? [2]
द) इस काव्यांश में किस स्थिति पर आक्षेप हुआ था ? [2]

9) निम्नांकित पठित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :
(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर सीमा 20 से 40 शब्द है ।)

फ़ितरत का कायम है तवाज़ुन आलमे-हुस्नो-इश्क में भी
उसको उतना ही पाते हैं खुद को जितना खो ले हैं

अ) प्रस्तुत पंक्तियों में कवि द्वारा वर्णित भावों को समझाइए । **[2]**

ब) प्रस्तुत काव्यांश की शिल्पगत विशेषताएँ बताइए । **[2]**

अथवा

मैं निज उर के उद्गार लिए फिरता हूँ,
मैं निज उर के उपहार लिए फिरता हूँ,
    है यह अपूर्ण संसार न मुझ को भाता
    मैं स्वप्नों का संसार लिए फिरता हूँ ।

अ) उपर्युक्त पंक्तियों में कविद्वारा वर्णित भावों को समझाइए । **[2]**

ब) उपर्युक्त काव्यांश की शिल्पगत विशेषताएँ बताइए । **[2]**

10) पठित कविताओं की विषय-वस्तु से सम्बन्धित दिए तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **[2 × 1½ = 3]**
(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर-सीमा 20 से 30 शब्द है ।)

अ) ''तितलियों की इतनी नाजुक दुनियां ।'' - यह किसके लिए कहा गया है ?

ब) ''अट्टालिका नहीं है रे आंतक-भवन ।'' ''बादल राग'' की इस पंक्ति में भाव क्या है ?

स) 'स्लेट पर या लाल खड़िया चाक मल दी हो किसीने । ''उषा'' कविता की इन पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए ।

11) निम्नांकित पठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :
(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर-सीमा 20 से 40 शब्द है ।)

सेवक धर्म में हनुमान जी से स्पर्द्धा करने वाली भक्तिन किसी अंजना पुत्री न होकर एक अनाम हान्या गोपालिका की कन्या है - नाम है लछमिन अर्थात् लक्ष्मी । पर जैसे मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह है, वैसे ही लक्ष्मी की समृद्धि भक्तिन के कपाल की कुंचित रेखाओं में नहीं बँध सकी । बैसे तो जीवन में प्राय: सभी को अपने-अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता हैं, पर भक्तिन बहुत समझदार है, क्योंकि वह अपना समृद्धि-सूचक नाम किसी को बताती नहीं । केवल जब नौकरी की खोज में आई थी, तब ईमानदारी का परिचय देने के लिए उसने शेष इतिवृत्त के साथ यह भी बता दिया ! पर इस प्रार्थना के साथ कि मैं कभी नाम का उपयोग न करूँ । उपनाम रखने की प्रतिभा होती, तो मैं सबसे पहले उसका प्रयोग अपने ऊपर करती, इस तथ्य को वह देहातिन क्या जाने, इसी से जब मैंने कंठी माला देखकर उसका नया नामकरण किया तब वह भक्तिन-जैसे कवित्वहीन नाम पाकर भी गद्गद हो उठी ।

अ) भक्तिन को हनुमान जी से स्पर्द्धा करने वाली किस प्रकार बतलाया गया है ? **[2]**

ब) ''जीवन में कभी-कभी अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है ।'' इस कथन का आशय अपने शब्दों द्वारा समझाइए । **[2]**

स) लक्ष्मी अपना नाम भक्तिन पाकर गद्गद क्यों हो उठी ? **[2]**

अथवा

भारतीय कला और सौन्दर्यशास्त्र को कई रसों का पता है, उनमें से कुछ रसों का किसी कलाकृति में साथ-साथ पाया जाना श्रेयस्कर भी माना गया है, जीवन में हर्ष और विषाद आते रहते हैं यह संसार की सारी सांस्कृतिक परम्पराओं को मालूम है, लेकिन करुणा का हास्य में बदल जाना एक ऐसे रस-सिद्धान्त की माँग करता है जो भारतीय परम्पराओं में नहीं मिलता । 'रामायण' तथा ''महाभारत'' में जो हास्य है वह दूसरों पर है और अधिकांशतः वह परसंताप से प्रेरित है । जो करुणा है वह अक्सर सदव्यक्तियों के लिए और कभी-कभार दुष्टों के लिए है । संस्कृत नाटकों में जो विदूषक है वह राजव्यक्तियों से कुछ बदतमियाँ अवश्य करता है, किन्तु करुणा और हास्य का सामंजस्य उसमें भी नहीं हैं । अपने ऊपर हँसने और दूसरों में भी वैसा ही माद्दा पैदा करने की शक्ति भारतीय विदूषक में कुछ कम ही नजर आती है ।

अ) भारतीय सौन्दर्यशास्त्र में कितने और कौन-कौन से रस वर्णित हैं ? **[2]**

ब) भारतीय कलाओं में करुणा किस पर व्यक्त की जाती है ? **[2]**

स) चार्ली चैप्लिन की फिल्मों में भारतीय रस सिद्धान्त के विपरीत किसका सामंजस्य है ? **[2]**

12) पठित गद्य पाठों की विषय-वस्तु पर आधारित निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए : **[3 × 3 = 9]**

(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर-सीमा 40 से 60 शब्द है ।)

अ) ''शिरीष के फूल ।'' के माध्यम से लेखक ने सघर्ष शीलता एवं जिजीविषा की जो व्यंजना की है । उसे स्पष्ट कीजिए ।

ब) ''नमक'' कहानी की मूल संवेदना क्या है ? स्पष्ट कीजिए ।

स) ''यह भी सच है कि यथा प्रजा तथा राजा ।'' इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए ।

द) जाति-प्रथा से समाज को क्या आर्थिक हानि होती है ?

खण्ड – घ

13) पाठों की विषय–वस्तु पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **[2 × 3 = 6]**
(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर–सीमा 40 से 60 शब्द है ।)

अ) ''सिल्वर वैडिंग'' कहानी के माध्यम से कहानीकार ने क्या संदेश व्यंजित किया है ?

ब) ''जूझ'' आत्मकथात्मक अंश की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए ।

स) पुरातत्त्ववेताओं ने किस भवन को देखकर उसे ''कालेज आफ प्रीस्टस'' माना है ?

14) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो का उत्तर दीजिए : **[2 × 1½ = 3]**
(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर–सीमा 20 से 30 शब्द है ।)

अ) ''प्रकृति ही तो ऐसा वरदान है जिसका कोई सानी नहीं ।'' ऐन फ्रैंक के इस कथन को ''डायरी के पन्ने'' अध्याय के आधार पर समझाइए ।

ब) पुरातत्त्ववेता सिन्धु–घाटी सभ्यता को ''तर सभ्यता'' क्यों कहते है ? स्पष्ट कीजिए ।

स) लेखक आनन्द यादव के छात्र–जीवन से क्या–क्या शिक्षा मिलती है ?

15) विषय–वस्तु पर आधारित दिए गए दो प्रश्नों में से किसी एक निबंधात्मक प्रश्न का उत्तर दीजिए : **[1 × 3 = 3]**
(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर सीमा 40 से 60 शब्द है ।)

अ) यशोधर बाबू अपने बच्चों से क्या अपेक्षा रखते थे ? ''सिल्वर वैडिंग'' के आधार बताइए ।

ब) ''कई बार कोई रहस्यमयी ताक़त हम दोनो को पीछे की तरफ खींचती है ।'' ऐन फ्रैंक ने इस कथन से किस प्रसंग का उल्लेख किया है ?

⌘⌘⌘

DO NOT WRITE ANYTHING HERE